

नुकसान से बेहतर है सुरक्षा

प्रियल वर्ल्ड में हमारी पहचान हमारा नाम और उसके साथ लगा पिता या पति का नाम होता है। जबकी वर्चुअल दुनिया में हमारी पहचान यूजरनेम और पासवर्ड से होती है जहां यूजरनेम यानी हमारा नाम

और पासवर्ड के माध्यने हमारे पिता का नाम हो सकता है जिसके साथ कोई भी छेड़छाड़ करे तो हमें बर्दाशत नहीं होता उसी तरह हमें वर्चुअल वर्ल्ड में अपने

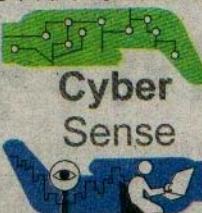
पासवर्ड को सुरक्षित रखने की कोशिशें करना चाहिए।

सामान्यत: लोग अपने पासवर्ड को लेकर सजग नहीं होते हैं और कुछ तो इसके भूल जाने के भय से इतने सरल कॉम्प्युनेशन के पासवर्ड रखते हैं कि उसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं होता। 123456 अमूमन सबसे ज्यादा उपयोग में लाए जाने वाला पासवर्ड है। यह बात 2013, 2014 और 2015 में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों के बीच किए गए सर्वे के दौरान सामने आई जो हमें आगाह करने के लिए काफी है। ऐसे में सबाल उठता है कि पासवर्ड कैसा हो जिसे कोई भेद ना पाए।

1) अपने पासवर्ड को कॉम्प्लेक्स बनाए-

आप 123456 जैसा सरल पासवर्ड

ना रखें और ना ही ऐसा कोई कॉम्प्युनेशन जिसके बारे में कोई अंदाजा लगा सके। ब्रूट फोर्स अटैक एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जिसके जरिए आसान और छोटे पासवर्ड का पता लगाया जा सकता है। ऐसे में जरूरी है कि पासवर्ड कम से कम 8 कैरेक्टर का हो। साथ



ही कोई डिक्षणरी शब्द का उपयोग पासवर्ड में नाहो क्योंकि एक दूसरे सॉफ्टवेयर डिक्षणरी अटैक से पासवर्ड का पता लगाया जा सकता है। इसके अलावा अपनी जम्म तारीख, पैन नम्बर, घर, फोन या गाड़ी के नम्बर का इस्तेमाल भी पासवर्ड में ना करें क्योंकि इसे सेशन इंजीनियरिंग अटैक सॉफ्टवेयर से तोड़ा जा सकता है। तो ऊपर बताए सुझावों के आधार पर ही पासवर्ड बनाए और इसे 3 से 6 महिने में बदलते रहें।

2) हर अकाउंट के लिए अलग पासवर्ड हो

जिस तरह हम अपने घर को सुरक्षित रखने के लिए 3-4 ताले लगाते हैं और सभी की चाकियां अलग होती हैं उसी तरह सभी अकाउंट के पासवर्ड के क्रेक होने पर दूसरों का पता लगाना आसान ना हो।

3)- किसी भी साइट के अपना

पासवर्ड स्टोर ना करने दें

सामान्यत: हम जब भी कोई साइट लॉगइन करते हैं तो रिमेम्बर मी, स्टेसाइन इन या ऑटोमेटिक साइन इन ऑफ्सांस सामग्रे आपको सिलेक्ट नहीं करता है। कई बार हम इसे अपनी सहुलियत के लिए चुन लेते हैं जो खतरनाक हो सकता है। इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं जो पूना का है। पीड़ित ने अपना मोबाइल ऑफिस की टेबल पर छोड़ कर कैफेटेरिया में कॉफी पीने चला गया, इतने में उसका एक साथी बहां आया और उसकी गैरमौजूदगी में फोन को उठाकर ई-मेल आइक्लन पर क्लीक किया जिसमें कीप साइन इन इनेक्लिड था और पीड़ित का साथी उसके मेल अकाउंट में चला गया जहां से उसने कम्पनी के बॉस को धमकीभरे गंदे मेल कर दिए। बात आगे बढ़ गई और फोन के मालिक पीड़ित को नौकरी से बेदखल कर दिया गया। यह मामला हमें सोच देता है कि पासवर्ड टाइप करने में चंद सेकंड का आलस हमारा बड़ा नुकसान कर सकता है।

यह अपने पासवर्ड को सुरक्षित रखने के 6 में से 3 सावधानियां हैं शेष 3 अगले सप्ताह के कॉलम में सुझाए जाएंगे।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिवेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)

ईमेल: varunkapoor170@gmail.com



वरुण कपूर
आईपीएस